

---

# Andhakakritam Parvati Stotram

---

## अन्धककृतं पार्वतीस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Andhakakritam Parvati Stotram

File name : andhakakRRitaMpArvatIstotram.itx

Category : devii, devI, stotra, pArvatI

Location : doc\_devii

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : from Kurmapurana, kUrmapurANe pUrvabhAge 16/216-219

Latest update : August 13, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 13, 2022


*sanskritdocuments.org*

---

—  
—  
अन्धककृतं पार्वतीस्तोत्रम्  
—  
—

अथान्धको महेश्वरीं ददर्श देवपार्श्वगाम् ।  
पपात दण्डवत्क्षितौ ननाम पादपद्मयोः ॥  
अन्धकोवाच ।  
नमामि देववल्लभामनादिमद्रिजामिमाम् ।  
यतः प्रधानपूरुषौ निहन्ति याऽखिलं जगत् ॥ १ ॥  
विभाति या शिवासने शिवेन साकमव्यया  
हिरण्मयेऽतिनिर्मले नमामि तां हिमाद्रिजाम् ।  
यदन्तराखिलं जगज्जगन्ति यान्ति सङ्ख्यं  
नमामि यत्र तामुमामशेषभेदवर्जिताम् ॥ २ ॥  
न जायते न हीयते न वर्द्धते च तामुमां  
नमामि या गुणातिगां गिरीशपुत्रिकामिमाम् ।  
क्षमस्व देवि शैलजे कृतं मया विमोहितं  
सुरासुरैर्नमस्कृतं नमामि ते पदाम्बुजम् ॥ ३ ॥  
इत्थं भगवती दिवी भक्तिनम्रेण पार्वती ।  
संस्तुता दैत्यपतिना पुत्रत्वे जगृहेऽन्धकम् ॥ ४ ॥  
इति कूर्मपुराणे पूर्वभागे षोडशाध्यायान्तर्गतं  
अन्धककृतं पार्वतीस्तोत्रं समाप्तम् ।  
कूर्मपुराणे पूर्वभागे १६/२१६-२१९  
Proofread by PSA Easwaran

pdf was typeset on August 13, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

